डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

लखनऊ, सोमवार, 4 फरवरी 2013

अब सिर्फ बीकॉम, एमकॉम से नहीं चलेगा काम

डेली न्यूज़ नेटवर्क

- वर्तमान समय में नौकरी के लिए प्रोफेशनल्स डिग्री भी जरूरी : राज्य मंत्री
- 'रुमाल अपरचूनिटीज आर द बिगनिंग ऑफ ग्रेट ईनटरप्राइज' विषय पर कन्वेंशन आयोजित

लखनऊ। आज कल केवल बीकाम, एमकाम से काम नहीं चलता। इसके साथ प्रोफेशनल्स डिग्रियां भी जरूरी हो गई हैं। इनसे जॉब की राह काफी आसान हो जाती है। द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) का कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी से संबंधित कोर्स ऐसा ही एक कोर्स है। द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) भारत सरकार की संसद के अधिनियम के अंतर्गत स्थापित है।

यह बात राज्य मंत्री नरेंद्र सिंह यादव ने द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के स्माल अपरचूनिटीज आर द बिगनिंग ऑफ ग्रेट ईनटरप्राइज विषय पर नेशनल लेवल पर आयोजित कन्वेंशन के दौरान इंदिरा प्रतिष्ठान में कही। उन्होंने कहा कि संस्थान कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटेंसी कोर्स में डिग्री प्रदान कर रहा है। यह सच है कि अमेरिका से उपजी आर्थिक मंदी ने अपना दायरा बढ़ाना शुरू कर दिया है। यह संकट यूरोप और एशिया को भी लपेट में ले रहा है। ऐसे संकट से निपटने वाले कास्ट कटिंग, कास्ट एंड मैनेजमेंट अकाउंटिंग प्रोफेशनल्स की डिमांड अचानक बढ़ गई है। इस दौरान कंपनियों ने मंदी के असर को कम करने के लिए अपने गैर जरूरी खर्च में कटौती का रास्ता तलाशा था। रकेश सिंह नेशनल प्रेसिडेंट (आईसीएआई) ने कहा कि बाजार को देखकर कहना गलत नहीं होगा कि आने वाले समय इनकी डिमांड और अधिक होने की संभावना है। इस क्षेत्र में हर कदम पर चुनौतियां पेश आती हैं। कंपनी का पूरा दारोमदार भी सीएमए पर निर्भर होता है कि वह किस तरह से कंपनी के लिए फायदे की सौगात लेकर आए। जो आर्थिक मंदी की वजह से हर बड़ी और छोटी कंपनी की जरूरत बनता जा रहा है।

जानकारों की मानें तो इस आधार पर कहा जा सकता है कि एक कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट का काम बड़े लक्ष्य के समान है। आने वाले समय में हर बड़ी कंपनी के अंदर कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेंट की नियुक्ति अनिवार्य हो जाएगी। इससे उत्पाद निर्माण में गुणवत्ता तथा उत्पाद लागत में कमी आने का फायदा सीधे तौर पर उपभोक्ताओं को मिलेगा। द इंस्टीट्यूट ऑफ कास्ट एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया कांपीटेंट एंड वर्सेटाइल कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटिंग प्रोफेशन एक शानदार कैरियर की नींव है। फ्यूचर आफ्टर सीएमए पर सुनील सिंह चेयरमैन लखनऊ चैप्टर ने कहा कि भारत सरकार की इंडियन कास्ट एकाउंटिंग सर्विस (आईसीएएस) ज्वाइन करके क्लास वन आफीसर भी बन सकते हैं। कास्ट एण्ड मैनेजमेंट के साथ अकाउंट्स का मेल है।

कास्ट एंड मैनेजमेंट एकाउंटेन्ट्स (सीएमए) भारत सरकार एवं विभिन्न प्रदेशों की सरकारों के विभाग में अपनी सेवा देकर सरकार के प्रदेश उत्थान एवं हर मद में लागत निर्धारण एवं नियंत्रण, इत्यादि के प्रभावशाली क्रियान्वयन में एक अहम भूमिका निभा रहें हैं। सदस्य भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को लागत एवं विभिन्न वस्तुओं के मूल्य निर्धारण करने में, कर योजना बनाने में, टैरिफ फिक्सेशन करने में सलाहकार की भूमिका निभाते हैं। इस दौरान संजय गुप्ता सीसीएम (आईसीएआई), सौरभ श्रीवास्तव, सुनील सिंह, विकास श्रीवास्तव, सीमा सिंह, पवन तिवारी, अंजना चड्डा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।